



वनस्पति संरक्षण सलाहकार की
कलम से

पिछले तिमाही समाचार पत्रिका पर विचार करते हुए, मुझे वनस्पति संरक्षण, संगरोध एवं संग्रह निदेशालय के द्वारा किये गए महत्वपूर्ण विकास कार्यों को साझा करते हुए खुशी हो रही है। ये उपलब्धियाँ पूरे भारत में पौध संरक्षण को बढ़ाने और टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देने के लिए हमारे निरंतर समर्पण को दर्शाती हैं।

इसमें महत्वपूर्ण उपलब्धि हमारी राष्ट्रीय कीट निगरानी प्रणाली (**एनपीएसएस मोबाइल ऐप**) परियोजना की प्रगति है, जो डीपीपीक्यूएस और आईसीएआर-राष्ट्रीय एकीकृत कीट प्रबंधन केंद्र के द्वारा पिछले एक साल के संयुक्त प्रयासों से तैयार किया गया है।

एनपीएसएस ऐप के लिए फील्ड परीक्षण और स्काउट प्रशिक्षण का प्रारंभिक चरण पूरा होने वाला है, जिसके बहुत ही उत्साहजनक परिणाम सामने आए हैं। यह एप्लिकेशन देश भर में कीट और रोग प्रकोप की निगरानी और प्रबंधन को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाने का कार्य करेगा।

एनपीएसएस ऐप द्वारा किसानों सीधे अपने खेतों से कीट और बीमारी की पहचान कर लेंगे उन्हें ऐप के माध्यम से

कृषि विशेषज्ञों से समय पर सलाह मिलेगी, जिससे उन्हें प्रभावी ढंग से कीट और बीमारी के प्रबंधन करने में मदद मिलेगी। प्रारंभ में, ऐप 61 फसलों के लिए प्रमुख कीटों और बीमारियों की जानकारी उपलब्ध कराएगा, जिसमें कपास, धान, गेहूं, मक्का, अरहर, सोयाबीन सहित 15 प्रमुख फसलों के लिए विस्तृत निगरानी और प्रबंधन सहायता शामिल होगी। अतिरिक्त फसलें जल्द ही जोड़ी जाएंगी और आर्थिक सीमा स्तर (ईटीएल) के आधार पर सलाह प्रदान करेगा।

एनपीएसएस ऐप नाशीजीवों के हॉटस्पॉट का मानचित्र बनाने, चरम गतिविधि अवधि की पहचान करने और कीटों और बीमारियों के प्रकोप का पूर्वानुमान मॉडल के विकास में सहायता करेगा। इस प्रयास से, भारत जल्द ही एक मजबूत, तकनीक-संचालित कीट निगरानी नेटवर्क को लागू करने वाला पहला देश बन जाएगा, जो हमें कृषि नवाचार और टिकाऊ कीट प्रबंधन में अग्रणी के रूप में स्थापित करेगा।

इसके अलावा, नाशीजीव निगरानी और प्रतिक्रिया तंत्र के लिए राष्ट्रीय प्रणाली के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) विकसित की गई है। यह एसओपी पूरे भारत में एक एकीकृत कीट निगरानी प्रणाली स्थापित करेगी, जो हमें वृहद रूप से नाशीजीवों के प्रकोप का पूर्वानुमान लगाने, समय पर प्रबंधन सलाह जारी करने के साथ ही विदेशी नाशीजीवों के प्रवेश होने पर समय पर उन्मूलन के लिए प्रतिक्रिया तंत्र जारी करने में सक्षम बनाएगी।

आईपीएम प्रभाग ने एकीकृत कीट प्रबंधन (आईपीएम) प्रथाओं को बढ़ावा देने, कीटनाशकों के दुरुपयोग के दुष्प्रभावों के बारे में किसानों को शिक्षित करने और समग्र कृषि जागरूकता बढ़ाने के प्रयासों को आगे बढ़ाया है। इन प्रयासों का कृषक समुदाय पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा, जिससे सुरक्षित, उत्पादकता और पर्यावरण अनुकूल सतत कृषि को बढ़ावा मिलेगा।

इस तिमाही के दौरान पादप संगरोध स्टेशनों और एकीकृत कीट प्रबंधन एवं टिड्डी नियंत्रण विभाग की वार्षिक बैठकें आयोजित की गईं जिसमें पिछले वित्तीय वर्ष की उपलब्धियों की समीक्षा के साथ चालू वर्ष के लिए कार्य योजना पर चर्चा की गई।

निदेशालय ने एशियाई और प्रशांत पौध संरक्षण आयोग (APPPC) के 33वें सत्र के लिए प्रारंभिक समूह की बैठक में भाग लिया। मुख्य चर्चा APPPC समझौते में संशोधन, वर्तमान कार्य योजना की समीक्षा और अगले द्विवार्षिक (2025-2026) की तैयारी पर केंद्रित थी। APPPC पूरे क्षेत्र में पौध संरक्षण में सहयोग को मजबूत करता है।

12 मई, 2024 को, अंतर्राष्ट्रीय पादप स्वास्थ्य दिवस मनाया गया जिसमें प्रश्नोत्तरी, निबंध और पेंटिंग प्रतियोगिताओं, किसान गोष्ठी और आईपीएम प्रदर्शनी जैसी गतिविधियां शामिल थी। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य युवाओं को शामिल करना तथा पौधों के स्वास्थ्य, सुरक्षित व्यापार और कृषि में डिजिटल प्रौद्योगिकी की भूमिका के बारे में जागरूकता करना था।

निदेशालय द्वारा 21 जून, 2024 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस जिसका थीम "स्वयं और समाज के लिए योग" था मनाया गया। इस समारोह में शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों के लिए योग के लाभों पर प्रकाश डाला गया और इसके सांस्कृतिक महत्व पर जोर दिया गया।

अंत में, मैं सभी अधिकारियों और हितधारकों को उनके निरंतर समर्पण और समर्थन के लिए हार्दिक धन्यवाद देना चाहता हूँ। हम सब मिलकर भारतीय कृषि को आगे बढ़ाएँगे और अपने किसानों और राष्ट्र के लिए एक उज्ज्वल, अधिक सतत भविष्य सुनिश्चित करेंगे।

- डॉ. जे. पी. सिंह
वनस्पति संरक्षण सलाहकार

सूची:

- प्रमुख कार्यक्रम
- अंतर्राष्ट्रीय सहभागिता
- गणमान्य अतिथियों का भ्रमण
- प्रशिक्षण एवं कार्यशालाएं
- द्विपक्षीय पादप स्वच्छता वार्ता
- विशिष्ट उपलब्धि एवं समारोह
- भारत का राजपत्र अधिसूचनाएं
- मीडिया कवरेज

प्रमुख कार्यक्रम

एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन सह टिड्डी प्रभाग के प्रयास:

- इस अवधि के दौरान 1.78 लाख हेक्टेयर फसल क्षेत्र का सर्वेक्षण किया गया।
- समाप्त तिमाही के दौरान नाशीजीव प्रबंधन के लिए 0.25 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में 607.8 मिलियन जैव-नियन्त्रण कारक जारी किए गए।
- 2.71 लाख हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में जैव-नियंत्रण कारकों का सफलतापूर्वक संरक्षण किया गया।
- रेगिस्तानी टिड्डी सर्वेक्षण कार्य 45.83 लाख हेक्टेयर में किया गया एवं इसी अवधि के दौरान भारत और पड़ोसी देशों में टिड्डियों की मौजूदा स्थिति पर प्रकाश डालते हुए कुल 06 टिड्डी सूचना बुलेटिन प्रकाशित किये गए।

वनस्पति संगरोध (व.सं. केन्द्रों द्वारा किए गए प्रयास):

- ▲ कृषि उत्पादों के निर्यात को सुगम बनाने में सहयोग करते हुए इस दौरान 95.89 लाख मीट्रिक टन कृषि उत्पादों के निर्यात के लिए कुल 1,45,358 पादप स्वच्छता प्रमाणपत्र जारी किये गए।
- ▲ 58.11 लाख मीट्रिक टन आयातित कृषि उत्पादों का निरीक्षण उपरांत कुल 32,813 आयात निगमन मंजूरी जारी की गई।
- ▲ प्रभावी पादप संगरोध निरीक्षण प्रणाली के माध्यम से आयातित कृषि उत्पादों के 212 खेपों में 35 संगरोध नाशीजीवों का पता लगाकर भारत में प्रवेश को रोकने में सफलता मिली।
- ▲ फाइटोसैनिटरी मुद्दों पर सफलतापूर्वक बातचीत कर निर्यात के लिए 02 नए बाजार तक पहुंच हासिल की।

तिमाही के दौरान एजेंसियों के पंजीकरण/मान्यता प्रमाणपत्र का विवरण

पंजीकृत/मान्यता प्राप्त एजेंसियों के नाम	संख्या
मिथाइल ब्रोमाइड (एमबीआर) धूमन एजेंसी	11
एल्युमिनियम फॉस्फाइड (एएलपी) धूमन एजेंसी	15
वेपर हीट ट्रीटमेंट (वीएचटी) यूनिट	16
संयुक्त राज्य अमेरिका को चावल निर्यात के लिए चावल मिलें/प्रसंस्करण इकाइयाँ	03
चीन को चावल निर्यात के लिए चावल मिलें/प्रसंस्करण इकाइयाँ	02
मूंगफली के निर्यात के लिए प्रसंस्करण इकाइयाँ	03
संयुक्त राज्य अमेरिका को अनार के फलों के निर्यात के लिए पैक हाउस	01
संयुक्त राज्य अमेरिका को आम के फलों के निर्यात के लिए पैक हाउस	01
फाइटोसैनिटरी सर्विस एजेंसी (पीएसएसए)	02
यूरोपीय संघ को ताजे फल और सब्जियों के निर्यात के लिए पैक हाउस	03

नई नियुक्तियां:

समाप्त तिमाही के दौरान निदेशालय में कुल 01 नए कर्मों ने तकनीकी सहायक के पद पर योगदान दिया ।

शुभकामनाएं

केंद्रीय कीटनाशक प्रयोगशाला, क्षेत्रीय नाशीजीव जांच प्रयोगशाला एवं तकनीकी विधायी अनुभाग:

- आर.पी.टी.एल. के द्वारा कुल 1,008 नाशीजीवनाशकों के नमूनों का परीक्षण किया गया इनमें से 79 को निम्न मानक (Misbranded) घोषित किया गया।
- सी.आई.एल. ने 671 नाशीजीवनाशकों के नमूनों का परीक्षण किया, जिनमें से 226 निम्न मानक (Misbranded) के पाए गए।

केंद्रीय कीटनाशक बोर्ड एवं पंजीकरण समिति:

- पंजीकरण समिति के द्वारा कुल 4715 नाशीजीवनाशकों के लिए पंजीकरण प्रमाण पत्र जारी किया गया जिसमें 107 बायो-पेस्टिसाइड, 504 निर्यात एवं 4104 रासायनिक नाशीजीवनाशकों के लिए जारी हुए ।

राजभाषा हिंदी:

निदेशालय के राजभाषा प्रभाग द्वारा दिनांक 24.06.2024 को मुख्यालय में "हिंदी कार्यशाला" का आयोजन किया गया। बैठक में डॉ. जे.पी. सिंह, पीपीए तथा निदेशालय के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।





राजभाषा पर त्रैमासिक बैठक दिनांक: 25.06.2024 को निदेशालय मुख्यालय में आयोजित की गई। इस बैठक में डॉ. जे.पी. सिंह, पीपीए एवं निदेशालय के अन्य अधिकारी उपस्थित रहें।

योजना और समन्वय इकाई:

- ✓ कृषि एवं किसान कल्याण विभाग तथा एनएबीएल द्वारा दिनांक 03.05.2024 को आयोजित “कीटनाशक परीक्षण प्रयोगशालाओं की एनएबीएल मान्यता पर जागरूकता कार्यक्रम” में दो प्रतिभागियों की भागीदारी को सुगम बनाया गया।
- ✓ तिमाही के दौरान कुल 57 आरटीआई अनुरोधों का समाधान किया गया।
- ✓ वर्ष 2023-2024 के लिए डीपीपीक्यूएंडएस वेबसाइट (<https://ppqs.gov.in/>) के आरटीआई अधिनियम, 2005 की धारा 4 के अंतर्गत ऑनलाइन प्रकटीकरणों का पारदर्शिता ऑडिट राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, शिक्षा मंत्रालय,

ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में निदेशालय की भागीदारी

क्र.सं.	शिक्षण/ कार्यशाला	अवधि	प्रतिभागियों की संख्या
1	“ऑनलाइन प्रवीणता परीक्षण पाठ्यक्रम” आयोजक: रासायनिक हथियारों का निषेध (ओपीसीडब्ल्यू), नीदरलैंड	03 से 14 जून, 2024 (12 दिन)	01
2	“आरटीआई-अधिनियम और तीसरे पक्ष के ऑडिट (पीडीआई-आरटीआई-01) के तहत सूचना के सक्रिय प्रकटीकरण” पर ऑनलाइन कार्यशाला आयोजक: सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबंधन संस्थान (आईएसटीएम)	10 जून, 2024	10

“वन हेल्थ एंड एग्रो इकोलॉजी: बिल्डिंग सिनर्जीज” कार्यशाला में भागीदारी



डॉ. सुनीता पांडे, सं.निदेशक (की.वि.) तथा डॉ. शिवाजी हरिदास वावरे, उप निदेशक (व. रो.वि.) ने 03 जून, 2024 को पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली तथा इंडो-जर्मन प्रोजेक्ट ऑन वन हेल्थ एंड एग्रो इकोलॉजी, द्वारा आयोजित “वन हेल्थ एंड एग्रो इकोलॉजी: बिल्डिंग सिनर्जीज” पर कार्यशाला में भाग लिया।

अंतर्राष्ट्रीय सहभागिता

एशिया-प्रशांत वनस्पति संरक्षण कमीशन (एपीपीपीसी) के
33वें सत्र के तैयारी समूह की बैठक में भागीदारी



डॉ. जे. पी. सिंह, पीपीए ने 3-6 जून, 2024 के दौरान बैंकॉक, थाईलैंड में आयोजित एशिया एवं प्रशांत वनस्पति संरक्षण आयोग (एपीपीपीसी) के 33वें सत्र के लिए तैयारी समूह की बैठक में भाग लिया। बैठक में एफएओ क्षेत्रीय कार्यालय, एपीपीपीसी सचिवालय, थाईलैंड, कोरिया गणराज्य, फिलीपींस, न्यूजीलैंड, चीन एवं भारत ने भाग लिया।

बैठक का उद्देश्य चीन में आयोजित होने वाले 33वें एपीपीपीसी द्विवार्षिक सत्र की तैयारी करना था। एफएओ समर्थन, वित्तीय रिपोर्ट, 33वें सत्र के लिए आवश्यक व्यवस्था, एपीपीपीसी समझौते के संशोधनों की स्वीकृति पर अपडेट, वर्तमान द्विवार्षिक कार्य योजना की कार्यान्वयन स्थिति, अगले द्विवार्षिक (2025-2026) के लिए कार्य योजना और 33वें एपीपीपीसी सत्र में उल्लेखित किए जाने वाले विशेष विषयों पर चर्चा की गई।

पोर्ट-टू-पोर्ट कार्यशाला में भागीदारी (बेनापोल-पेट्रापोल)



डॉ. ओ. टी. सिंह उप निदेशक (की. वि.) एवं श्री हरीशा बडिगर, व. सं.अधि. (की. वि.) ने 10.06.2024 को बेनापोल, जशोर (बांग्लादेश) में बांग्लादेश भूमि बंदरगाह प्राधिकरण, शिपिंग मंत्रालय द्वारा आयोजित कार्यशाला "नीति तथा प्रक्रिया सरलीकरण एवं सहयोगी सीमा प्रबंधन के माध्यम से बेनापोल-पेट्रापोल सीमा क्रॉसिंग पर बंदरगाह से बंदरगाह दृष्टता में

बंदरगाह दक्षता में सुधार-- सिफारिशें एवं आगे का रास्ता" विषय पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया।

गणमान्य अतिथियों का भ्रमण

श्री फैज अहमद किदवई, अपर सचिव (पी.पी.) का निदेशालय मुख्यालय फरीदाबाद का दौरा



मुख्यालय का भ्रमण

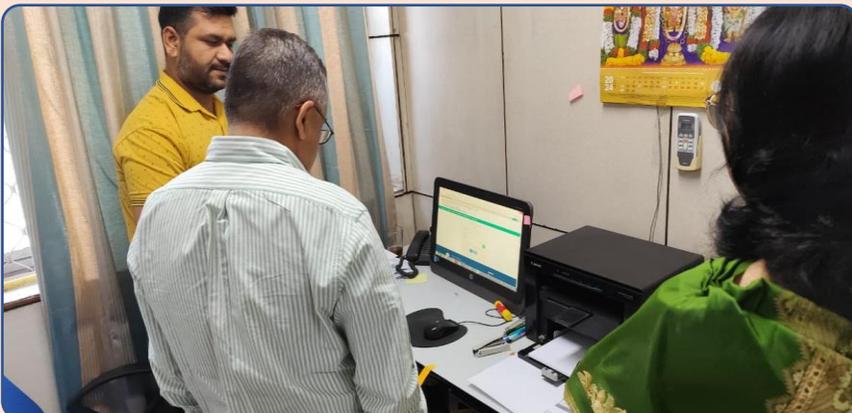


आरसीआईपीएमसी, फरीदाबाद का भ्रमण

श्री फैज अहमद किदवई, अपर सचिव (पीपी), कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने 09 मई, 2024 को निदेशालय का दौरा किया। उन्होंने निदेशालय के बेहतरी के लिए विभिन्न महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए।

डॉ. जे.पी. सिंह, पीपीए एवं निदेशालय के अन्य अधिकारियों ने निदेशालय की विभिन्न इकाइयों यथा: केन्द्रीय कीटनाशक बोर्ड एवं पंजीकरण समिति, केन्द्रीय

एकीकृत नशीजीव प्रबंधन केन्द्र आदि की कार्य प्रणाली से अपर सचिव (पीपी) अवगत कराया।



सीआईबी एंड आरसी का भ्रमण

सीआईएल का भ्रमण



वनस्पति संरक्षण, संगरोध एवं संग्रह निदेशालय

श्री फैज अहमद किदवई, अपर सचिव (पी.पी.) का 26.06.2024 को दौरा

26 जून, 2024 को श्री फैज़ अहमद किदवई अतिरिक्त सचिव (पी.पी.) के नेतृत्व में निदेशालय द्वारा आयात से संबंधित वनस्पति संगरोध मुद्दों पर चर्चा करने के लिए हितधारकों के साथ एक महत्वपूर्ण ऑनलाइन मीटिंग आयोजित की गई। इस मीटिंग का उद्देश्य आयातकों के बीच वनस्पति संगरोध विनियमों के बारे में जागरूकता पैदा करना और गैर-अनुपालन को रोकना था।



डॉ. जे. पी. सिंह, वनस्पति संरक्षण सलाहकार, संयुक्त निदेशक (पीक्यू), आयात संघ, आयातक तथा विभिन्न पीक्यू स्टेशनों के पादप संगरोध अधिकारी भी इस मीटिंग में शामिल हुए तथा आयातकों के प्रश्नों का उत्तर दिया। ऑनलाइन मीटिंग में 100 से अधिक आयातकों की उपस्थिति रही।

श्री फैज अहमद किदवई, अपर सचिव (पीपी) द्वारा आरपीक्यूएस, बेंगलुरु का भ्रमण



श्री फैज अहमद किदवई, अपर सचिव (पीपी), कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने 21 जून, 2024 को आरपीक्यूएस बेंगलुरु का भ्रमण कर प्रयोगशाला सुविधाओं का अवलोकन किया। डॉ. जे. पी. सिंह, पीपीए, डॉ. एस. एन. सुशील, निदेशक, आईसीएआर-एनबीएआईआर, बेंगलुरु, डॉ. एस. ज्ञानसंबंदन, संयुक्त निदेशक (पीक्यू), डॉ. श्रीराम एस, प्रमुख - फसल संरक्षण प्रभाग, आईसीएआर-आईआईएचआर, बेंगलुरु एवं डॉ. डी. के. नागराजू, संयुक्त निदेशक (की.वि.) भ्रमण के समय साथ थे।

श्री फैज अहमद किदवई, अपर सचिव (पीपी) द्वारा आरसीआईपीएमसी, कोलकाता का भ्रमण

श्री फैज अहमद किदवई, अपर सचिव (पीपी), कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने 28 जून, 2024 को आरसीआईपीएमसी, कोलकाता का भ्रमण कर प्रयोगशाला सेटअप एवं कीट संग्रहालय का अवलोकन किया, इस भ्रमण के दौरान डॉ. जे. पी. सिंह, पीपीए एवं डॉ. आलमगीर सिद्दीकी, संयुक्त निदेशक (की.वि.) उनके साथ रहें।



विशिष्ट उपलब्धि एवं समारोह

कस्टम कार्यालय के प्रशिक्षण में भागीदारी

श्री वेंकट रेड्डी, व.सं.अधि. (ख.वि.), आरपीक्यूएस, मुंबई ने 4 अप्रैल 2024 को न्यू कस्टम हाउस, मुंबई में कस्टम के नवनियुक्त अधिकारियों के लिए "वनस्पति संगरोध के नियम और भारत में इसके कार्यान्वयन" पर एक व्याख्यान दिया।



Latitude: 10.424273
Longitude: 78.367292
Elevation: 348.16±31 m
Accuracy: 465.1 m
Time: 04-04-2024 12:09
Note: ATMA ICM PADDY FARM SCHOOL 4th class IPM MANAGEM

कृषि पाठशाला में भागीदारी

सीआईपीएमसी, त्रिची ने 04.04.2024 को राज्य कृषि विभाग, मारुंगापुरी ब्लॉक, त्रिची जिले द्वारा आयोजित कृषि पाठशाला कार्यक्रम में भाग लिया। जिसमें 'धान पर आईपीएम, बीज उपचार, आईपीएम तकनीक एवं पेस्टिसाइड के सुरक्षित एवं विवेकपूर्ण उपयोग' के बारे में व्याख्यान दिया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में मदर टेरेसा कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर, विल्लुपुरम के 10 आरएडब्ल्यूई छात्रों के साथ ही 25 किसानों ने भाग लिया तथा लाभान्वित हुए।

नाशीजीव प्रबंधन के लिए कॉफी बोर्ड के साथ सीआईपीएमसी एर्नाकुलम का सहयोग

सीआईपीएमसी एर्नाकुलम की तकनीकी टीम ने 09.04.2024 को प्रौद्योगिकी मूल्यांकन केंद्र, भारतीय कॉफी बोर्ड, वझावारा, इडुक्की का दौरा कर बायो-पेस्टिसाइड के बारे में सलाह प्रदान किया। सीआईपीएमसी टीम ने खेत में शॉट होल बोरर, कॉफी व्हाइट स्टेम बोरर, कॉफी बेरी बोरर और मीली बग का प्रकोप देखा तथा कॉफी व्हाइट स्टेम बोरर को नियंत्रित करने के लिए ब्यूवेरिया बेसियाना एवं मीली बग को नियंत्रित करने के लिए क्रिप्टोलेमस मोंट्रोज़िएरी जैसे बायो-पेस्टिसाइड उपलब्ध कराया।



एलपीएआई पेट्रापोल के प्रशिक्षण में भागीदारी

डॉ. ओ. टी. सिंह, उप निदेशक (की.वि.), आरपीक्यूएस कोलकाता ने 12.05.2024 को भारतीय भूमि बंदरगाह प्राधिकरण, पेट्रापोल द्वारा आयोजित सुरक्षित व्यापार के लिए वनस्पति संगरोध विनियमन के महत्व पर व्याख्यान दिया तथा हितधारकों के साथ चर्चा की।

केले की खेती पर किसानों के लिए सशक्तीकरण कार्यशाला में आरसीआईपीएमसी लखनऊ की भागीदारी।

डॉ. जी. पी. सिंह, संयुक्त निदेशक (की.वि.), आरसीआईपीएमसी, लखनऊ ने 6 जून, 2024 को एमिटी यूनिवर्सिटी, लखनऊ में एमिटी फूड एंड एग्रीकल्चर फाउंडेशन द्वारा आयोजित केले की खेती पर किसानों के लिए विशिष्ट सशक्तीकरण कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।



“एल्युमीनियम फॉस्फाइड के साथ धूमन की बुनियादी पद्धतियाँ” पर कार्यशाला में भागीदारी

15 एवं 16 जून, 2024 को पेस्ट मैनेजमेंट एसोसिएशन द्वारा पुणे में आयोजित “एल्युमीनियम फॉस्फाइड के साथ धूमन की बुनियादी पद्धतियाँ” पर कार्यशाला में डॉ. जेड. ए. अंसारी, उप निदेशक (की.वि.), आरपीक्यूएस, मुंबई ने व्याख्यान दिया।



इतिहास के पन्नों से

समय के साथ केन्द्रीय कीटनाशक बोर्ड एवं पंजीकरण समिति.....

1958

सरकार द्वारा आयोग की नियुक्ति

भारत सरकार ने कीटनाशक विषाक्तता के कारण केरल और मद्रास (तमिलनाडु) में हुई कई मौतों के बाद परिस्थितियों की जांच करने और उपचारात्मक उपाय सुझाने के लिए एक जांच आयोग की स्थापना की। यह घटना आयातित गेहूँ के सेवन के कारण हुई थी, जो खाद्यान्नों के साथ शिपमेंट के दौरान गलती से कीटनाशकों से दूषित हो गया था।

1964-67

प्रो. एम.एस. ठक्कर समिति की नियुक्ति

कीटनाशकों के उपयोग और कानून पर विचार करने के लिए प्रो. एम.एस. ठक्कर की अध्यक्षता में एक विशेषज्ञ समिति नियुक्त की गई।

1968

कीटनाशक अधिनियम

विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों के आधार पर वर्ष 1968 में एक व्यापक कीटनाशक अधिनियम पारित किया गया। जिसका उद्देश्य मनुष्यों और पशुओं के लिए जोखिम को रोकने के उद्देश्य से कीटनाशकों के आयात, निर्माण, बिक्री, परिवहन, वितरण एवं उपयोग को विनियमित करना था।

1970-71

सी.आई.बी.एंड.आर. सी. तथा कीटनाशक नियम

वर्ष 1970 में कृषि मंत्रालय द्वारा कीटनाशक नियम बनाए गए तथा “केंद्रीय कीटनाशक बोर्ड एवं पंजीकरण समिति” का गठन किया गया। साथ ही कीटनाशक अधिनियम 1 अगस्त, 1971 से लागू किया गया।

जारी.....

आरसीआईपीएमसी लखनऊ द्वारा उत्तर प्रदेश में आम के बागों में व्यापक सर्वेक्षण

आरसीआईपीएमसी, लखनऊ ने उत्तर प्रदेश के लखनऊ क्षेत्र (लखनऊ, बाराबंकी, उन्नाव, सीतापुर और हरदोई) और सहारनपुर क्षेत्र (सहारनपुर और शामली) के जिलों में आम के बागों में राज्य कृषि, बागवानी, मंडी परिषद और एपीडा के अधिकारियों के साथ संयुक्त सर्वेक्षण किया, ताकि एनएसपीएम-13 के अनुसार मैंगो नट वीविल (स्टर्नकेटस मैंगीफेरे), मैंगो पल्प वीविल (स्टर्नकेटस फ्रिगिडस) और रेड बैंडेड कैटरपिलर (डीनोलिस सब्लिम्बलिस) की उपस्थिति की स्थिति का पता लगाया जा सके।



संयुक्त सर्वेक्षण दल द्वारा उपर्युक्त कीटों की उपस्थिति की कोई घटना उत्तर प्रदेश के लखनऊ क्षेत्र और सहारनपुर क्षेत्र में दर्ज नहीं की गई।



क्या आप
जानते हैं ?

बॉल वीविल स्मारक

व्यापक नुकसान भी परिवर्तन के लिए उत्प्रेरक हो सकता है!!!!

अलबामा, संयुक्त राज्य अमेरिका में बॉल वीविल स्मारक एक अद्वितीय और प्रमुख स्थलचिह्न है। कपास की फसलों को शुरू में नुकसान पहुँचाने के बावजूद, बॉल वीविल ने स्थानीय किसानों को फसलों में विविधता लाने के लिए मजबूर किया, जिससे अधिक आर्थिक समृद्धि हुई। बीटल को "समृद्धि के अग्रदूत" के रूप में सम्मानित करते हुए, यह स्मारक कृषि कीट के सम्मान में बनाया गया दुनिया का पहला और एकमात्र स्मारक है।

लेकिन, क्यों ?

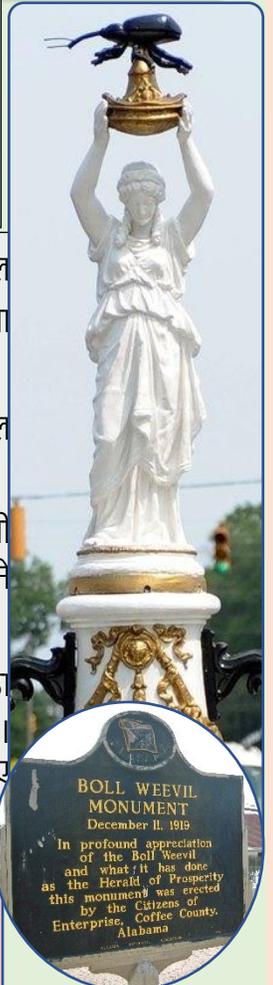
बॉल वीविल (एंथोनोमस ग्रैंडिस), जिसे आमतौर पर "मैक्सिकन कॉटन बॉल वीविल" के रूप में जाना जाता है, 1915 में अलबामा में पहली बार देखा गया।

1918 तक, इस कीट ने राज्य के कपास की फसलों को तबाह कर दिया, जिससे उत्पादन एक साल 15,000 गांठों से घटकर सिर्फ 5,000 गांठ रह गया।

कपास की लाभप्रदता के कारण किसान अन्य फसलों पर स्विच करने में संकोच कर रहे थे। इसी समय, एच.एम. सेशंस नामक बीज विक्रेता ने एक किसान को मूंगफली के बीज दिये। उस किसान ने अपने पुरे खेत में मूंगफली बोई, और आश्चर्यजनक रूप से, \$8,000 कमाए।

1919 तक, जब बॉल वीविल का प्रकोप चरम पर था, अलबामा देश में मूंगफली का सबसे बड़ा उत्पादक राज्य बन गया। घटनाओं के इस अप्रत्याशित मोड़ ने स्थानीय अर्थव्यवस्था को बदल दिया। कृषि विविधीकरण और समृद्धि को बढ़ावा देने में कीट की अप्रत्यक्ष भूमिका को याद करने के लिए बॉल वीविल स्मारक का निर्माण किया गया।

फसल में विविधता लाने तथा कपास की जगह मूंगफली की फसल उगाने के लिए किसानों को प्रेरित करने वाले कॉटन बॉल वीविल को धन्यवाद देने के उद्देश्य से, लोगों ने कीट के सम्मान में एक प्रतिमा स्थापित की, जिसे 'द बॉल वीविल स्मारक' कहा जाता है।



अंतर्राष्ट्रीय वनस्पति स्वास्थ्य दिवस

"वनस्पति स्वास्थ्य, सुरक्षित व्यापार एवं डिजिटल प्रौद्योगिकी"



सीआईपीएमसी, एर्नाकुलम



आरसीआईपीएमसी, रांची



आरसीआईपीएमसी, फ़रीदाबाद



अंतर्राष्ट्रीय वनस्पति स्वास्थ्य दिवस

12 मई, 2024 को निदेशालय के सभी कार्यालयों में "अंतर्राष्ट्रीय वनस्पति स्वास्थ्य दिवस" मनाया गया। कार्यालय परिसर में पौधे लगाने के साथ ही वनस्पति स्वास्थ्य, सुरक्षित व्यापार एवं डिजिटल प्रौद्योगिकी के बारे में जागरूकता पैदा की गई। युवाओं के बीच वनस्पति स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं, निबंध लेखन तथा ड्राइंग/पेंटिंग प्रतियोगिता भी आयोजित की गई।

आरपीक्यूएस, मुंबई



आरपीक्यूएस, बेंगलुरु



सीआईपीएमसी, गंगटोक



सभी सीआईपीएमसी में कुल 36 किसान गोष्ठी एवं 37 आईपीएम प्रदर्शनी आयोजित की गई, जिसमें 2083 किसानों को विभिन्न आईपीएम प्रौद्योगिकियों के बारे में जानकारी दी गई। सीआईपीएमसी द्वारा पेस्टिसाइड के सुरक्षित तथा विवेकपूर्ण उपयोग पर 36 जागरूकता अभियान भी आयोजित किए गए।

सीआईपीएमसी, रायपुर



सीआईपीएमसी, पटना



वनस्पति संगरोध केन्द्रों की वार्षिक बैठक-2024



वनस्पति संगरोध केन्द्रों के प्रभारी अधिकारियों की वार्षिक बैठक 21 और 22 जून, 2024 को आरपीक्यूएस, बेंगलुरु में आयोजित की गई। श्री फैज अहमद किदवई, अपर सचिव (पी.पी.), कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, भारत सरकार, डॉ. जे. पी. सिंह, पीपीए, डॉ. एस. एन. सुशील, निदेशक, आईसीएआर-एनबीएआईआर, बेंगलुरु, डॉ. एस. ज्ञानसंबंदन, संयुक्त निदेशक (पीक्यू), डॉ. श्रीराम एस, फसल संरक्षण प्रभाग के प्रमुख, आईसीएआर-आईआईएचआर, बेंगलुरु, वनस्पति संगरोध केन्द्रों के प्रभारी अधिकारी तथा निदेशालय के अन्य अधिकारी बैठक में उपस्थित थे।

अपने उद्घाटन भाषण में, श्री फैज अहमद किदवई, अपर सचिव (पीपी), ने किसानों, उपभोक्ताओं तथा पूरे देश के हितों की रक्षा में वनस्पति संरक्षण प्रभाग की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने आईपीपीसी-सीपीएम18 में अपने अनुभव साझा किये तथा आरपीक्यूएस/पीक्यूएस के सभी वनस्पति संगरोध अधिकारियों को फाइटोसैनिटरी उपायों के अंतर्राष्ट्रीय मानकों (आईएसपीएम) को प्रसारित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। साथ ही अधिकारियों से आईपीपीसी दिशानिर्देशों पर एफएओ द्वारा उपलब्ध ई-लर्निंग पाठ्यक्रमों में शामिल होने का आग्रह किया।



डॉ. जे. पी. सिंह, पीपीए, डॉ. एस. एन. सुशील, निदेशक, आईसीएआर-एनबीएआईआर, बेंगलुरु, डॉ. एस. ज्ञानसंबंदन, जेडी (पीक्यू), डॉ. श्रीराम एस, फसल संरक्षण प्रभाग के प्रमुख, आईसीएआर-आईआईएचआर, बेंगलुरु ने भी वनस्पति संगरोध के महत्व पर उपस्थित लोगों को संबोधित किया। इसके बाद सभी क्षेत्रीय प्रभारियों द्वारा अपने-अपने वनस्पति संगरोध केन्द्रों की विभिन्न गतिविधियों पर जानकारी प्रस्तुत की गई। चर्चा में पीक्यूएमएस, क्षमता निर्माण, मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) और सीमा शुल्क से संबंधित मामलों से संबंधित कई मुद्दों पर चर्चा की गई और उन मुद्दों के लिए कार्रवाई बिंदु प्रस्तुत किए गए। बैठक में डीपीपीक्यूएंडएस एवं आईसीएआर संस्थानों जैसे एनबीएआईआर और आईआईएचआर के बीच वनस्पति संरक्षण के क्षेत्र में सहयोग के अवसरों की खोज तथा सहयोग पर भी चर्चा की गई।



वनस्पति संरक्षण, संगरोध एवं संग्रह निदेशालय



“योग स्वयं तथा समाज के लिए”

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का उद्देश्य शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग के अनेक लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। योग एक शारीरिक-मानसिक अभ्यास है, जिसकी उत्पत्ति हजारों साल पहले भारत में हुई थी। 10वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को “स्वयं तथा समाज के लिए योग” थीम के साथ मनाया गया।



आरपीक्यूएस, बेंगलुरु



आरसीआईपीएमसी, फ़रीदाबाद



मुख्यालय



सीआईपीएमसी, रांची



एलसीआईपीएमसी, सूरतगढ़



एलएंडआईपीएमआरसी, बीकानेर



सीआईपीएमसी, रायपुर

योग अभ्यास के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए पूरे देश में निदेशालय के विभिन्न कार्यालयों में कार्यक्रम मनाया गया।



आरपीक्यूएस, कोलकाता



सीआईपीएमसी, पटना



आरपीक्यूएस, अमृतसर

केंद्रीय एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन केंद्रों की वार्षिक बैठक



2023-24 के दौरान आयोजित गतिविधियों की समीक्षा और 2024-25 के लिए कार्य योजना पर चर्चा करने के लिए आरसीआईपीएमसी, सीआईपीएमसी, आरएलसीआईपीएमसी, एलसीआईपीएमसी और एलएंडआईपीएमआरसी की वार्षिक बैठक 28 और 29 जून 2024 को कोलकाता में भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के ऑडिटोरियम हॉल में हुई। इसकी अध्यक्षता श्री फैज अहमद किदवई, अपर सचिव (पी.पी.) ने की तथा डॉ. जे. पी. सिंह, वनस्पति संरक्षण सलाहकार, डॉ. सुनीता पांडे आईपीएम सह टिड्डी प्रभाग की संयुक्त निदेशक (की.वि.) भी उपस्थित थे।

बैठक के दौरान RCIPMC's, CIPMC's, RLCIPMC, LCIPMC's & L&IPMRC के प्रभारियों ने वर्ष 2023-24 के लिए अपनी उपलब्धियां प्रस्तुत कीं तथा 2024-25 के लिए अपनी कार्य योजनाओं की रूपरेखा बताई। श्री फैज अहमद किदवई ने भारत में कृषक समुदाय के बीच एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन (आईपीएम) तकनीक को बढ़ावा देने के लिए वनस्पति संरक्षण, संगरोध और भंडारण निदेशालय और आईपीएम सह टिड्डी टीम के प्रयासों की सराहना की।



बेंगलुरु से यू.के. के लिए आमों का समुद्र मार्ग से पहला निर्यात

यू.के. के लिए आमों की पहली समुद्री खेप 19 मई, 2024 को बेंगलुरु से भेजी गई। इस विशेष मौके पर आयोजित समारोह में आई.सी.ए.आर.-सी.आई.एस.एच., लखनऊ, एपीडा, मैगो डेवलपमेंट बोर्ड, फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन के विभिन्न प्रतिनिधियों के साथ-साथ आर.पी.क्यू.एस., बेंगलुरु के वनस्पति संगरोध अधिकारी उपस्थित रहें।

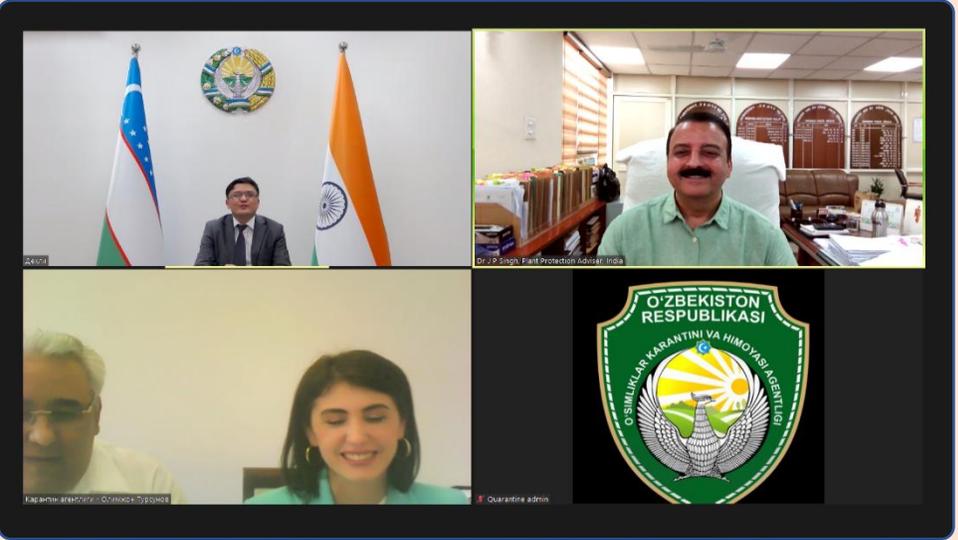


द्विपक्षीय फाइटोसैनिटरी वार्ता



एनपीपीओ, उज्बेकिस्तान के साथ ऑनलाइन मीटिंग

डॉ. जे. पी. सिंह, पीपीए ने पौध स्वच्छता के मुद्दों पर चर्चा करने के लिए 08.05.2024 को राष्ट्रीय वनस्पति संरक्षण संगठन, उज्बेकिस्तान के साथ ऑनलाइन मीटिंग में भाग लिया।



यूएसए के साथ मीटिंग

यूएसए को आम निर्यात के विषय पर 10.04.2024 को आरपीक्यूएस, मुंबई में मीटिंग आयोजित की गई। मीटिंग में यूएसडीए इंस्पेक्टर, आरपीक्यूएस, मुंबई के अधिकारी/अधिकारी, एपीडा, एमएसएएमबी स्टाफ और निर्यातक शामिल हुए।

जापान के साथ मीटिंग

श्री ओकुकुयामा ताकेशी, एमएफएफ, जापान ने 3 और 4 अप्रैल 2024 को वाष्प ताप उपचार सुविधा, वाशी, नवी मुंबई का दौरा किया। आरपीक्यूएस, मुंबई, एपीडा, एमएसएएमबी- वीएचटी स्टाफ एवं अधिकारी भ्रमण के दौरान साथ रहें।



कोरिया गणराज्य के साथ मीटिंग



कोरिया गणराज्य को आम निर्यात के विषय पर एक मीटिंग 29.04.2024 को आरपीक्यूएस, मुंबई में आयोजित की गई। मीटिंग में श्री किम जे मिन, इंस्पेक्टर, कोरिया गणराज्य, आरपीक्यूएस, मुंबई, एपीडा, एमएसएएमबी स्टाफ एवं अधिकारी तथा आम निर्यातक शामिल हुए।

कोरिया गणराज्य के निरीक्षक श्री किम जे मिन ने भारत से कोरिया गणराज्य को आम निर्यात करने के लिए स्वीकृत सिस्टम अप्रोच की समीक्षा के लिए, आरपीक्यूएस, मुंबई, एपीडा तथा महाराष्ट्र राज्य कृषि विभाग के अधिकारियों के साथ 29 मई, 2024 को पालम्बे, रायगढ़ में आम के बाग का दौरा किया।



मीडिया कवरेज



डॉ. के.एल. गुर्जर, संयुक्त निदेशक (व.रो.वि.) ने डीडी किसान में खरीफ फसलों में रोगों के प्रबंधन के लिए जैव-नियंत्रण एजेंटों के उपयोग पर व्याख्यान दिया।

डॉ. वी.डी. निगम, उप निदेशक (की.वि.) ने डीडी किसान में 31.05.2024 को "मूंगफली की फसल में फली छेदक और कैटरपिलर का प्रबंधन" तथा 14.06.2024 को "धान की फसल में कीट -व्याधि एवं उनका प्रबंधन" पर व्याख्यान दिया।



डॉ. जी.पी. सिंह, संयुक्त निदेशक (की.वि.) ने 12 जून, 2024 को आकाशवाणी, लखनऊ उत्तर प्रदेश में खरीफ सीजन की फसलों में बीज और मृदा उपचार के महत्व पर रेडियो वार्ता में भाग लिया।

प्रशिक्षण

और

कार्यशालाएँ

श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय, पलवल के छात्रों का आरसीआईपीएमसी, फरीदाबाद में जैव नियंत्रण प्रयोगशाला का भ्रमण



श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय, पलवल के 39 छात्रों ने विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के साथ 21.05.2024 को आरसीआईपीएमसी, फरीदाबाद की जैव नियंत्रण प्रयोगशाला का भ्रमण किया। छात्रों को उदाहरणों के साथ विभिन्न आई.पी.एम. तकनीक के बारे में जानकारी दी गई। छात्रों ने आई.पी.एम. संग्रहालय और जैव नियंत्रण प्रयोगशाला का भ्रमण कर जैव नियंत्रण एजेंटों, ट्राइको कार्ड की तैयारी, विभिन्न प्रकार के ट्रैप, फल मक्खी नियंत्रण के लिए कम लागत वाली बोटल ट्रैप, ट्राइकोडर्मा, ब्यूवेरिया आदि जैसे बायो-पेस्टिसाइड के बड़े पैमाने पर गुणन के बारे में सीखा।

सीआईपीएमसी एर्नाकुलम द्वारा आईपीएम पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

सीआईपीएमसी एर्नाकुलम ने 12.06.2024 को केरल के अशोक ट्रस्ट फॉर रिसर्च इन इकोलॉजी एंड द एनवायरनमेंट (एटीआरआई) के किसान संघ के लिए अलप्पुझा जिले में स्थित सामुदायिक पर्यावरण संसाधन केंद्र, में आईपीएम और जैव नियंत्रण एजेंटों के बड़े पैमाने पर उत्पादन विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। यह केंद्र आर्द्रभूमि संरक्षण, सतत आजीविका और जलवायु परिवर्तन के प्रभाव समीक्षा में लगा हुआ है।



एक दिवसीय प्रशिक्षण सह एक्सपोजर विजिट

सीआईपीएमसी, त्रिची ने 16.05.2024 को एम.एस. स्वामीनाथन कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट, एचनकोट्टई, तंजावुर के कृषि छात्रों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण सह एक्सपोजर दौरा आयोजित किया। कृषि छात्रों को कॉर्सिंरा होस्ट कल्चर, शिकारियों, परजीवियों तथा बायो-पेस्टिसाइड के बड़े पैमाने पर गुणन तथा उत्पादन और पेस्टिसाइड के सुरक्षित और विवेकपूर्ण उपयोग के बारे में बताया गया।

आरपीक्यूएस, बेंगलुरु में --- आईसीएआर-आईएआरआई क्षेत्रीय परिसर आईआईएचआर, बेंगलुरु के छात्रों एवं शिक्षकों का भ्रमण

आईसीएआर-आईएआरआई क्षेत्रीय परिसर के 20 पीजी छात्रों ने 20 मई, 2024 को आरपीक्यूएस, बेंगलुरु का भ्रमण किया तथा आरपीक्यूएस, बेंगलुरु में की जाने वाली तकनीकी कार्यों एवं विभिन्न प्रयोगशाला गतिविधियों के बारे में जानकारी प्राप्त की।





भारत का राजपत्र महत्वपूर्ण अधिसूचनाएं

एस.ओ. 1590(ई) दिनांक 28 मार्च, 2024 - कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के प्रशासनिक नियंत्रण में एक संलग्न कार्यालय के रूप में वनस्पति संरक्षण, संगरोध एवं संग्रह निदेशालय, फरीदाबाद के अंतर्गत भुवनेश्वर, ओडिशा में नए वनस्पति संगरोध स्टेशन (पीक्यूएस) की स्थापना।

एस.ओ. 1591(ई) दिनांक 28 मार्च 2024: वनस्पति संगरोध (भारत में आयात का विनियमन) आदेश, 2003 की अनुसूची VI पर्सिया अमेरिकाना (एवोकैडो) में संशोधन "उपभोग के लिए ताजे फल" के संबंध में - दक्षिण अफ्रीका कॉलम (4) में प्रविष्टियां - (5) एवोकैडो सनब्लोच वायरोइड (एवोकैडो सनब्लोच) बी) सेराटाइटिस कैपिटाटा (भूमध्यसागरीय फल मक्खी) सी) सेराटाइटिस कोसीरा (मैंगो फल मक्खी) डी) सेराटाइटिस रोजा (नेटल फल मक्खी) ई) कॉर्नू एस्पर्सम (कॉमन गार्डन घोंघा) एफ) मिलविस्कुटुलस मैगिफेरा (मैंगो शील्ड स्केल) जी) स्पैसेलोमा पर्सिया (एवोकैडो स्कैब) एच) स्पोजोप्टेरा लिटोरलिस (कॉटन लीफवर्म) और (6) - धूमन, जोड़ी जाएगी।

एस.ओ. 1593(ई) दिनांक 28 मार्च, 2024: वनस्पति संगरोध आदेश, 2003 की अनुसूची II, में आईसीडी (आईएनएसएजे6) तुम्ब-वापी, क्षेत्रीय वनस्पति संगरोध केन्द्र, कांडला के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत, जोड़ी जाएगी।

एस.ओ. 1602(ई) दिनांक 2 अप्रैल, 2024: वनस्पति संगरोध आदेश, 2003 की अनुसूची VI में: फ्रैक्सिनस एक्सेलसियर, लकड़ी / बिना छाल के लट्टे - जर्मनी और ए) एग्रीलस कॉन्वेक्सिकोलिस बी) ड्रायोकोटेस विलोसस सी) हाइलेसिनस वेरियस डी) लेपिडोसाफेस कोन्चीफोर्मिस ई) लिमांट्रिया मोनाचा एफ) नियोक्लिटस एक्यूमिनेटस जी) पोइसीलोनोटा वेरियोलोसा एच) स्टेनोकोर यूएस मेरिडियनस I) जाइलेबोरस डिस्पर जे) बजरकंडेरा एडुस्टा के) हेटेरोबासिडियन एनोसम एल) हाइमेनोसाइफस फ्रैक्सिनस एम) मेरिपिलस गिगेंटस एन) स्टेरियम हिर्सुटम ओ) ट्रैमेटेस हिर्स्यूट, जोड़ी जाएगी।

एस.ओ. 1601(ई) दिनांक 2 अप्रैल, 2024: वनस्पति संगरोध आदेश, 2003 अनुसूची VI में संशोधन - रसकस एक्यूलेटस, प्रकंद प्रसार के लिए, पुर्तगाल, 4-6 महीने की बढ़ती अवधि के लिए प्रवेश के बाद संगरोध और मिट्टी से मुक्त, जोड़ा जाएगा।

एस.ओ. 1854(ई) दिनांक 26 अप्रैल, 2024: कीटनाशक अधिनियम, 1968 की धारा 3 के खंड (ई) के उप-खंड (ii) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केंद्र सरकार, केंद्रीय कीटनाशक बोर्ड के परामर्श के बाद, उक्त अधिनियम की अनुसूची में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात्:- अनुसूची में, "पिकोलिनफेन" से संबंधित प्रविष्टि के बाद, निम्नलिखित प्रविष्टियाँ डाली गई हैं - कपूर, यूजेनॉल, सिट्रल, थाइमोल, पाइपरिन, मेटारिलपिकोक्सामिड, मिथाइल चैविकोल, मेकोप्रॉप-पी।

एस.ओ. 2195(ई) दिनांक 5 जून, 2024: वनस्पति संगरोध आदेश, 2003 की अनुसूची I में भूमि सीमा स्टेशन की सूची में निम्न को जोड़ा जाएगा, अर्थात्: - डालू (मेघालय), दावकी (मेघालय), फुलबारी (पश्चिम बंगाल), हिली (पश्चिम बंगाल), घसुआपारा (मेघालय), माहुरीघाट (त्रिपुरा), सबरूम (त्रिपुरा), श्रीमंतपुर (त्रिपुरा) और सुतारकंडी (असम) क्षेत्रीय वनस्पति संगरोध केन्द्र, कोलकाता के अंतर्गत।

2221(ई) दिनांक 7 जून, 2024: वनस्पति संगरोध, आदेश, 2003 के अध्याय II, खंड 3 (4) को हटा दिया जाएगा अर्थात् (ए) "मोटे अनाज, दलहन, तिलहन और चारा बीजों के बीजों और फल पौधों की प्रजातियों के बीज/स्टॉक सामग्री के आयात की अनुमति केवल कृषि, सहकारिता और किसान कल्याण विभाग (डीएसीएंडएफडब्ल्यू) की एक्जिम समिति की सिफारिशों के आधार पर दी जाएगी, सिवाय पौध संगरोध आदेश की अनुसूची-XII में निर्दिष्ट परीक्षण सामग्री के।" (बी) अनुसूची V और VI में निम्नलिखित प्रविष्टियों के तहत "कृषि मंत्रालय में कृषि, सहकारिता और किसान कल्याण विभाग के पूर्व अनुमोदन के अधीन आयात" शब्दों को हटा दिया जाएगा।

एस.ओ. 2477(ई) दिनांक 19 जून, 2024: वनस्पति संगरोध आदेश, 2003 के अनुसूची VI में उपभोग के लिए सूखा अनाज, घाना, निम्न से मुक्त: (ए) एलेट्रावोजेली (पीला विचवीड) (बी) ब्रुचिडिअसट्रोलिनिएटस को क्रमशः, जोड़ा जाएगा।



एक व्याधि, कई रूप

मक्के का डाउनी मिल्ड्युए

मक्के का डाउनी मिल्ड्युए व्याधि, *पेरानोस्क्लेरोस्पोरा सोरघी* या *पेरानोस्क्लेरोस्पोरा फिलिपिनेंसिस* या *पेरानोस्क्लेरोस्पोरा सैकरी* या *स्क्लेरोफ्थोरा रेसिया वर. ज़ी* या *पेरानोस्क्लेरोस्पोरा हेटेरोपोगोन* के कारण होने वाली विनाशकारी बीमारियों में से एक है। यह सभी प्रमुख मक्का उगाने वाले क्षेत्रों में रिपोर्ट किया गया है और 60% तक फसल का नुकसान कर सकता है।

लक्षण

- सबसे विशिष्ट लक्षणों में से एक पत्तियों पर क्लोरोटिक धारियों का दिखना है। ये धारियाँ पीले-हरे से भूरे रंग की होती हैं।
- पत्तियों के नीचे की तरफ, एक सफेद फजी वृद्धि देखी जाती है। यह कोमल वृद्धि रोग की पहचान है।



इंटरनोड्स के छोटे होने के कारण, संक्रमित पौधे अक्सर बौने और झाड़ीदार दिखते हैं।



- टैसल में बंद नर फूलों के ब्रैक्ट्स पर कोमल वृद्धि का विकास
- टैसल, जो फूल देने वाली संरचनाएँ हैं, टैसल के भीतर छोटी से बड़ी पत्तियों की उपस्थिति जैसी असामान्यताएँ प्रदर्शित करती हैं।
- टैसल के डंठल और भुट्टों पर सहायक कलियों का प्रसार जिसे "क्रेज़ी टॉप" कहा जाता है।
- प्रणालीगत संक्रमण के परिणामस्वरूप छोटे और खराब भट्टे बनते हैं।

प्रकाशित:

वनस्पति संरक्षण सलाहकार

वनस्पति संरक्षण संगरोध एवं संग्रह निदेशालय,
सीजीओ कॉम्प्लेक्स, एनएच-IV, फरीदाबाद,
हरियाणा -121001
दूरभाष: 0129-2413985, ईमेल:-ppa@nic.in

डिज़ाइन एवं संकलनकर्ता:

श्री ज्ञानेश्वर बंछोर, उप निदेशक (की.वि.)
श्री बी बी कुमार, सहा. नि. (ख.वि.)
श्री विशाल एल गटे, व.सं.अधि. (व.रो.वि.)
डॉ. संतोष पी. पटोले, व.सं.अधि. (व.रो.वि.)
सुश्री भावना आर.सिंह, सहा.व.सं.अधि.(की.वि.)